in which she was dragged away. Nobody would like the proceedings to be disturbed. If anybody disturbs the proceedings we should be fully concerned about it. But if out of patriotic emotions a young lady protests--they may not be familiar with the rules......

SHRI RANDHIR SINGH: He is right. I saw it myself.

SHRI NATH PAI: We are all disturbed about it. I would like that an official statement should be made as to what transpired and why that girl received such a harsh treatment as was meted out to her. Sir, I am conveying to you the feelings of distress we experienced when we saw that young lady being dragged away.

MR. CHAIRMAN: I will convey your tentiments.

SHRI NATH PAI: This comes within your purview under the rules.

---

15-44 hrs.

STATUTORY RESOLUTION *RE* PROCLAMATION IN RELATION TO PUNJAB: AND PUNJAB STATE LEGISLATURE (DELEGATION OF POWERS) BILL—*Contd.*

**श्री एस० एस० जोशी** (पूना) : सभापति महोदय, जो प्रस्ताव प्रस्तुत है वह पंजाब में जो राष्ट्रपति का शासन चल रहा है उस के बारे में है। आज पंजाब ऐसी नाजुक अवस्था से गुजर रहा है, जिस को देखते हुए मुझे यह कहना पड़ता है कि किसी भी कारण से क्यों न हो, मगर यह परिस्थिति प्रस्तुत है और मैं हुकूमत को बधाई देता हूं कि उस ने वहां पर राष्ट्रपति का शासन लागू किया। वहां पर इस के अलावा कोई और चारा भी नहीं था और ऐसा करना जरूरी भी था।

इस के कारणों में जा कर पार्टियों के एक दूसरे के नाम रखने से कोई फायदा नहीं होगा। हम लोग इस देश में लोकतन्त्र चाहते हैं, लेकिन लोकतन्त्र कोई ऐसी चीज नहीं है, जिस को हम बाजार से ला सकते हैं। यह इतना बड़ा देश है, इस में भिन्न जातियों के भिन्न-भिन्न भाषा बोलने वाले और भिन्न धर्मों के लोग रहते हैं और यहां विकास भी एक विषम मात्रा में हुआ है। ऐसे बड़े देश में, जो दुनिया का सब से बड़ा लोकतन्त्र है उस को कामयाब बनाना कोई आसान चीज नहीं है।

इस देश में बीस साल तक एक दल का राज्य रहा। उस ने कुछ अच्छे काम भी किये, लेकिन जनता का दिल उन से ऊब गया था। उस के कुछ ऐसे कारनामे रहे जिन से जनता नाराज हो गई। हो सकता है कि बहुत दिन राज्य करने के कारण भी वह उस से नाराज हो गई हो, लेकिन लोकतन्त्र का तकाजा है, और उस की खूबी भी यही है कि लोगों को अधिकार होता है कि जिन शासकों को वह चाहें उन को चुन कर गद्दी पर बिठलायें।

यहां परिस्थिति यह हुई कि जब कांग्रेस राज्य चला रही थी, तब देश की अधिक प्रगति न होने के कारण, हमारे यहां सेयासी बेदारी न होने के कारण जो लोकतन्त्र को मानने वाली दूसरी विरोधी पार्टियां हैं वह खड़ी नहीं हो सकी इस में दोष किसी का भी क्यों न हो, लेकिन जो परिस्थिति है उस को मान लेना चाहिये। चूंकि लोग कांग्रेस से नाराज हो गये थे इस लिये उन्होंने उस को हराया और जब उस की मैंजारिटी खत्म हो गई तब लोगों के सामने यह सवाल आया कि वह जनता की इच्छा को कैसे पूरा करें। जब पहले हम लोग यहां आये तब कांग्रेस ने भी इस की सराहना की और राष्ट्रपति के अभिभाषण में भी यह कहा गया कि लोगों की डिमाक्रेटिव वाइटैलिटी दिखलाई दे रही है और उस वाइटैलिटी को जिन्दा रखना है।

[श्री एस० एम० जोशी]

मेरी अपनी यह राय है कि जो विरोधी दल के लोग थे उन्होंने यह देख लिया कि अभी लोग कांग्रेस का राज्य नहीं चाहते हैं, वे लोगों का राज्य चाहते हैं. कोई एक ऐसी पार्टी नहीं है जिस को हम होमोजीनियस पार्टी कह सकते हैं और जो राज्य चला सकती है, जैसे कि मद्रास में डी०एम०के०राज्य चला रहा है। दूसरी जगहों पर वैसा नहीं था। ऐसी हालत में हम लोगों का फर्ज था और जनता का तकाजा था कि हम लोग उस को अच्छी हुकूमत दे। राष्ट्रपति शासन जनता नहीं चाहती थी। वह अपना शासन चाहती थी। और इस को ले कर हम ने अपने मोर्चे बनाये, और जिस को गैर-कांग्रेसी शासन कहते हैं वह देश में आया। वह शासन बहुत दिनों तक नहीं चल पाया। लेकिन यह भी एक ऐसी अवस्था थी जिस से हमें गुजरना था और इस से जो सबक हम को लेना है वह हमें लेना चाहिये।

मैं यह जरूर कहूंगा कि हालांकि मेरे दल का कोई हिस्सा पंजाब की गैर-कांग्रेसी हुकूमत में नहीं था, लेकिन वह हुकूमत इतनी खराब नहीं थी जिस तरह की बतलाई जा रही है। उन के हक में कम से कम मैं एक चीज जरूर कहूंगा। हम लोग बहुत दिनों से सुन रहे थे कि पंजाब में सिखों और हिन्दुओं का झगडा है, कम्यूनलिज्म है, एक दूसरे के खिलाफ वह लड़ते हैं। लेकिन गैर-कांग्रेसी सरकार के चलने से कुछ अच्छे नतीजे निकल आये। यह भी कोई कम बात नहीं है कि वहां पर जन संघ और अकाली सब लोग मिल कर यह एक साथ हुकूमत करने के लिये बैठे और वातावरण में जो खराबी पहले आ गई थी वह आहिस्ता-आहिस्ता खत्म हो गई। इस के लिये, मैं समझता हूं, हमें उन को बधाई देनी चाहिये। मेरे कई दोस्त कहते हैं कि मैं पंजाब का रहने वाला नहीं हूं, पंजाब वाले इस चीज को ज्यादा जानते होंगे, लेकिन पहले लोगों में यह भावना जरूर थी कि यह हिन्दू है और यह सिख है, और अभी जो एक्सपेरिमेंट हुआ नान-कांग्रेस हुकूमत का, उस में वह स्पिरिट खत्म हो गई और पहले जैसा भाई-चारा कुछ हद तक फिर वापस आ गया। इसके लिए मैं उनको बधाई देता हूं। हम नहीं कहते हैं कि हम लोगों ने जो किया वह सौ फीसदी अच्छा था। लेकिन हमारे सामने दूसरा कोई चारा नहीं था। आप लोगों को जनता ने ठुकरा दिया था और देश के सामने ऐसी अवस्था में कोई दूसरा विकल्प नहीं रह गया था, कोई दूसरा चारा नहीं रह गया था।

ऐसी हालत में हम समझते हैं कि गुरनाम सिंह मिनिस्ट्री को जिस तरह आपने गिराने का प्रयास किया और जिस तरह से शिखंडी हुकूमत वहां बनाई, माइनोरिटी गवर्नमेंट को अपनी सपोर्ट दी, वह कोई अच्छी चीज नहीं थी। इसको आप भी अब महसूस कर रहे हैं। वह जो एक्सपेरिमेंट किया गया वह गलत एक्सपेरिमेंट था। उससे जनता को दुख हुआ है। इससे जनता का कोई फायदा नहीं हुआ है न लोकतंत्र को। आगे चल कर ऐसा कोई एक्सपेरिमेंट नहीं होना चाहिये। जो दल बड़ा है वह अपनी सपोर्ट दे कर छोटे दल को सत्तारूढ न होने दे, खासकर जब वह छोटा दल डिफेक्टरस का है। जिस तरह से पंजाब में हुआ, उसी तरह के बिहार में भी हुआ, बंगाल में भी हुआ। जहां तक हमारी गैर-कांग्रेसी हुकूमतों का सम्बन्ध है वे तो जनता के तकाजे को पूरा करने के हेतु बनाई गई थीं, जो स्थिति पैदा हो गई थी उसका मुकाबला करने के लिए बनाई गई थीं। नहीं तो क्या आप समझते

हैं कि कम्युनिस्ट लोग और जन संघ वाले एक साथ बैठ कर कभी हकूमत कर सकते हैं? नहीं कर सकते हैं। जनता ने उनको मजबूर किया और तब जा कर वे हकूमत में बैठे.....

**श्री प्रेम चन्द वर्मा:** (हमीरपुर): कुर्सियों के लिए बैठे, जनता ने मजबूर नहीं किया।

**श्री एस० एम० जोशी:** कुर्सियों का लोभ जैसे आपको है वैसे विरोधी दल वालों में भी हो सकता है। लेकिन कम्युनिस्ट, जन संघ, सोशलिस्ट साथ बैठ गये जनता के दबाव से, वही मुख्य कारण है।

अब मैं कांग्रेसियों से प्रार्थना करूंगा कि आप इस पर अच्छी तरह से विचार करें। आपने जो सलाह दी है उस पर हम विचार कर रहे हैं। आपने कहा है कि हम लोग युनाइटेड फ्रंट बना कर फ्री इलैक्शन प्लेटफार्म बना कर बाद में हकूमत बनायें। इस पर हम सोच रहे हैं। लेकिन हम भी आपको सलाह देते हैं कि आगे चल कर यह शिखंडी हकूमत का जो एक्सपेरिमेंट है, यह आपको कभी नहीं करना चाहिये। इससे देश को नुकसान हुआ है।

पंजाब का इलाका हमारे देश के लिए बहुत महत्व का इलाका है, हमारी सुरक्षा के लिए, हमारे देश की आजादी की रक्षा के लिए, वहां स्थायित्व बना रहे, यह बहुत जरूरी है। वह स्वस्थ होना चाहिये। उस में हैल्दी ट्रेंड्ज होने चाहियें। आगे चल कर हम सब लोग जो हमारा रूल है उसको हम मानें और इस देश में इस इलाके में लोकतंत्र को कामयाब बनाने के लिए जो चीज हमें करनी चाहिये, उसको हम करें। मैं अपनी बात करता हूं। जो हम लोगों को उस वक्त मजबूरन करना पड़ा, वक्ती तकाजे के कारण जल्दबाजी में करना पड़ा। आगे चल कर हम उसको नहीं करने वाले हैं, हम को नहीं करना चाहिये। पहले हमारा कोई प्रोग्राम बने, प्रायोरिटीज बने, फिर अपना काम हम चला सकते हैं।

मैं गृह मंत्री से एक अनुरोध करना चाहता हूं कि गिल मंत्रिमंडल ने हमारे जो गवर्नमेंट सर्वेंट्स हैं उन के ऊपर बहुत ज्यादतियां की हैं। वक्त नहीं हैं कि मैं उन में जाऊं। एक डैपुटेशन भी गया था जिस में मैं भी था, मुझे भी जाना पड़ा था। गृह मंत्री के पास जा कर हम लोगों ने उनको बताया —उस वक्त राष्ट्रपति की हकूमत नहीं बनी थी—सारी स्थिति को। लेकिन वह अभी तक कुछ नहीं कर पाए हैं। लेकिन अब तो वहां आप का राज है। अब आपको उनको न्याय देना पड़ेगा। जो कनसलटेटिव कमेटी आप बनायेंगे उस में भी आपको इसको देखना चाहिये। यह जो जुल्म हुआ है, यह नहीं होना चाहिये। कोई न्याय के लिए लड़ता है तो उसके साथ क्या ऐसा सलूक होना चाहिये। जो एग्रीमेंट हुआ था उसको आपने तोड़ा। उसका लोगों ने विरोध किया तो क्या उनको आपको सजा देनी चाहिये। इस तरह से लोगों को निकाल देना चाहिये? इस तरह से इस ब्रीज को खत्म नहीं किया जा सकता है।

गिल की जो एडमिनिस्ट्रेशन थी वह खराब थी। इसको सब लोग कहते हैं। बहुत गलत काम उनके वक्त हुए हैं। मैं कहूंगा कि जो अभियोग उनके खिलाफ लगाये गये हैं, उनको लाइटली नहीं लेना चाहिये। देश के स्वास्थ्य के लिए, लोकतंत्र की रक्षा के लिए यह बहुत जरूरी है कि जो अभियोग लगाये हैं उनकी जांच के लिए ज्यूडिशल कमिशन नियुक्त किया जाए और जो सजावार लोग हैं, उनको सजा मिले।

[श्री एस० एम० जोशी]

इन शब्दों के साथ जो प्रस्ताव रखा है, उसका मैं समर्थन करता हूं, क्योंकि मैंने इसका स्वागत किया है।

---

15-55 hrs.

## RE: INCIDENT IN THE PUBLIC GALLERY—*Contd.*

MR. CHAIRMAN: Shri Prem Chand Verma.

SHRI NATH PAI: What happened to my point of order? When are you going to inform the House?

MR. CHAIRMAN: I am just trying to get the papers. She has been kept for interrogation. The lady was trying to raise slogans. So, she was removed from the galleries and she was kept for interrogation.

SHRI NATH PAI: A detailed statement will be made here.

MR. CHAIRMAN: I have asked for the papers.

SHRI NATH PAI: All the information will be given to us.

MR. CHAIRMAN: If not today, tomorrow morning.

SHRI JAGANNATH RAO JOSHI (Bhopal): The interrogation should not take so long. That should have been over now.

MR. CHAIRMAN: She may have been released.

---

15-56 hrs.

## STATUTORY RESOLUTION RE. PROCLAMATION IN RELATION TO PUNJAB; AND PUNJAB STATE LEGISLATURE (DELEGATION OF POWERS) BILL—*contd.*

**श्री प्रेम चन्द वर्मा**: जो प्रस्ताव आया है इसका मैं समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं। मुझे इस वक्त पंजाब के इतिहास की कुछ थोड़ी सी याद आ रही हैं। पंजाब में अठारह साल तक कांग्रेस पार्टी की सरकार रही है और कांग्रेस पार्टी ने एक मजबूत जम्हूरी सरकार जनता को दी। लेकिन 1967 के चुनाव में ऐसा न हो सका। अकालियों ने, जन संघियों और कम्युनिस्टों ने जो आपस में शत्रु थे, अकाली जन संघ को कहते थे कि ये अमरीका के एजंट हैं, जन संघ वाले अकालीयों को कहते थे कि ये हिन्दी के विरोधी हैं और मास्टर तारा सिंह के बारे में तो यहां तक कहते थे कि ये तो पाकिस्तान के एजंट हैं, जन संघ कम्युनिस्टों को कहते थे कि ये रूस के अनुयायी हैं और रूस के एजंट हैं, सरकार बनाई। तीनों दल जो आपस में कभी बात करने के लिए तैयार नहीं थे इन्होंने सरकार बनाई। कांग्रेस को हकूमत की चाह नहीं थी। इस वास्ते वहां पर युनाइटेड फ्रंट के नाम से एक सरकार बनी। सरदार गुरनाम सिंह उसके चीफ मिनिस्टर थे। उस सरकार में श्री डांग फूड मिनिस्टर थे। इन दोनों ने मिल कर हिमाचल प्रदेश को अनाज भेजना बन्द कर दिया। हिमाचल में बहादुर डोगरे रहते हैं जो हिन्दुस्तान की सरहदों की रक्षा करते हैं। वहां अनाज कम होता है लेकिन वहां देश के लिए जान देने वाले अपना खून देने वाले बहुत हैं, ऐसे लोगों की तादाद बहुत ज्यादा है जो देश की आजादी के लिए, देश की हिफाजत के लिए अपना सिर कटवाने के लिए तैयार हैं। वहां की जनता को पंजाब ने अनाज देना बन्द कर दिया। हमारे बच्चे, हमारी बहनें, हमारी बहुएं, हमारी बेटियां जब सरहद पार करके हिमाचल में जाती थी तो उनकी तलाशी ली जाती थी, उनके साथ बुरा बरताव किया जाता था और तब हमें सोचने के लिए मजबूर होना पड़ा था कि हम हिन्दुस्तान में रह रहे हैं या किसी दूसरे मुल्क में रह रहे हैं। यह गुरनाम सिंह मिनिस्ट्री का एक